क्षेत्रीय फिल्मों को दूरदर्शन पर दिखाया जाना

*393. **श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे** :

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1992 के दौरान दिखाई गयी क्षेत्रीय फिल्मों का भाषा-वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) इन फिल्मों के उप-शीर्षक किस भाषा में थे;

(ग) क्या भविष्य में ऐसी फिल्मों को सभी भाषाओं के उप-शीर्षकों के साथ दिखाए जाने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के पी सिंह देव) :

(क) 1992 के दौरान राष्ट्रीय नेटवर्क पर टेलीकास्ट की गई क्षेत्रीय फिल्मों का भाषावार ब्यौरा संलग्न है (नीचे **देखिये**) :

(ख) दूरदर्शन द्वारा इसके राष्ट्रीय नेटवर्क पर टेलीकास्ट क्षेत्रीय फीचर फिल्मों में सामान्यतः अंग्रेजी उप-शीर्षक दिए जाते हैं और ऐसे उप-शीर्षकों के अभाव में फिल्म का टेलीकास्ट शुरू होने के समय उसकी कहानी का सार बता दिया जाता है ।

(ग) से (ङ) : फिल्म के उप-शीर्षक निर्माता अधिकार धारक के द्वारा तैयार किए जाते हैं और इसलिए सरकार के पास सभी भाषाओं में किसी फिल्म के उप-शीर्षक तैयार करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

विवरण

वर्ष 1992 के दौरान राष्ट्रीय नेटवर्क पर टेलीकास्ट की गई फीचर फिल्मों का भाषावार ब्यौरा :

क्र० सं०	भाषा	टेलीकास्ट की गई फ़ीचर फिल्मों की संख्या
1.	असमिया	5
2.	बंगला	25 (सत्यजीत राय और कानन देवी की फिल्मों के सिंहावलोकन सहित)
3.	गुजराती	4
4.	कन्नड़	5
5.	मलयालम	7
6.	मराठी	5
7.	मणिपुरी	4
8.	उड़िया	6
9.	पंजाबी	5
10.	तमिल	7
11.	तेलुगू	7

Power Projects of Uttar Pradesh Functioning with Foreign Assistance

*394. CHAUDHARY HARMOHAN SINGH : Will the Minister of POWER be pleased to state :

(a) what are the names of power projects of Uttar Pradesh which are functioning with foreign assistance;

(b) what are the details of the projects which require additional assistance;

(c) what is the number of projects which have been accorded sanction alongwith those for which efforts are being made in this regard; and

(d) what are the reasons for seeking additional assistance ?

THE MINISTER OF POWER (SHRI N. K. P. SALVE) : (a) to (d) The power generation projects under implementation in Uttar Pradesh, currently utilising foreign assistance, are the Anpara 'B' TPS (2×500 MW), of UPSEB, NCTPP at Dadri (4×210 MW) and Dadri CCGT (817 MW) both of NTPC. Additional foreign assistance has been sought from OECF (Japan) for the Anpara 'B' TPS for its completion. In